DAINIK BHASKAR, Surat, 16.5.2024
Page No. 3, Size:(6.02)cms X (5.75)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • 20 इंजीनियर्स, पर्यवेक्षक और टेक्नीशियंस को प्रशिक्षित करेंगे

जापानी हाई स्पीड रेल के 6 विशेषज्ञ पहुंचे सूरत, बुलेट ट्रेन का ट्रैक निर्माण प्रशिक्षण शुरू किया

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के ट्रैक निर्माण कार्य के लिए सूरत में भारतीय इंजीनियर्स और कार्य पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। जापान हाई स्पीड रेल विशेषज्ञों के निगरानी में नियोल स्थित हाई स्पीड रेल डिपो में यह कार्य शुरू हुआ है। ट्रैक निर्माण पर 20 दिनों का प्रशिक्षण सत्र स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन और सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम) इंस्टालेशन पर केंद्रित होगा। यह प्रशिक्षण जेएआरटीएस (जापान का नॉन प्रॉफिट संगठन) दे रहा है। लगभग 20 इंजीनियर्स, कार्य पर्यवेक्षक और टेक्नीशियंस को प्रशिक्षित करने की योजना है। 6 जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियर्स, पर्यवेक्षक और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। डेटा एनालिसिस का प्रशिक्षण पहले ही पूरा हो चुका है।

भू-तकनीकी मॉनिटरिंग उपकरण लगाए जा रहे हैं

उल्लेखनीय है कि इससे पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कंस्ट्रक्शन साइट और उसके आसपास की संरचनाओं और सर्विस यूटिलिटीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हाइली सेंसिटिव भू-तकनीकी मॉनिटरिंग उपकरण लगाए जा रहे हैं। इनमें इनक्लिनोमीटर, वाइब्रेशन मॉनिटर, ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, टिल्ट मीटर आदि शामिल हैं। ये वाइब्रेशन, क्रैक्स और डिफ़ॉर्मेशन की मॉनिटरिंग मॉनिटरिंग करेंगे।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 16.5.2024
Page No. 3, Size:(6.02)cms X (5.75)cms.

परियोजना के कार्य में आएगी तेजी

सूरत में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के ट्रैक निर्माण का प्रशिक्षण शुरू

सूरत @ पत्रिका. अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सूरत में भारतीय इंजीनियरों और कार्य पर्यवेक्षकों का ट्रैक निर्माण कार्य के लिए दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक निर्माण पर 20 दिनों का प्रशिक्षण सत्र स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन और सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम) इंस्टालेशन पर केंद्रित होगा।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण जेएआरटीएस (जापान का नॉन प्रॉफिट संगठन) द्वारा दिया जा रहा है। इसे जेआईसीए (बुलेट ट्रेन परियोजना की वित्त पोषण एजेंसी) द्वारा नामित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान लगभग 20 इंजीनियरों, कार्य पर्यवेक्षकों, तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। इसमें छह जापानी विशेषज्ञों द्वारा भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण देकर बुलेट ट्रेन के कार्य को तेज किया जा रहा है।

गौरतलब है कि साइट मैनेजर, ट्रैक स्लैब मैन्युफैक्चरिंग, आरसी ट्रैक बेड कंस्ट्रक्शन, रेफरेंस पिन सर्वे और डेटा एनालिसिस का प्रशिक्षण पहले ही पूरा किया जा चुका है।

GUJARAT GUARDIAN, Ahmedabad, 16.5.2024
Page No. 16, Size:(12.54)cms X (16.22)cms.

Commencement of training of Engineers Technical Assistants, Technicians in Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં એન્જિનિયરો ટેક્નિકલ આસીસ્ટન્ટ, ટેક્નિશિયનોની તાલીમનો પ્રારંભ

સુરત, તા.૧૫

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ટ્રેક વર્કસ બનાવવા માટે સુરતમાં ભારતીય એન્જિનિયરો અને કાર્ય નેતાઓ માટે તાલીમ શરૂ થઈ ગઈ છે. ટ્રેક બાંધકામ પર 20 દિવસના તાલીમ સેશનમાં સ્લેબ ટ્રેક સ્થાપન અને સિમેન્ટ આસ્ફાલ્ટ મોર્ટોર (સીએએમ) સ્થાપન પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં આવશે.

છ જાપાની નિષ્ણાંતો બુધવારથી ૨૦ દિવસ સ્લેબ ટ્રેક સ્થાપન અને સિમેન્ટ આસ્ફાલ્ટ મોર્ટાર સહિતની તમામ કામગીરીની તાલીમ આપશે

પ્રાપ્ત વિગતો અનુસાર, આ તાલીમ જેઆરટીએસ (જાપાનમાં એક બિન-નફાકારક સંસ્થા) દ્વારા આપવામાં આવી છે, જેને જીઆઈસીએ (બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની ભંડોળ પૂરું પાડતી એજન્સી) જાપાનીઝ નિષ્ણાતો દ્વારા નિયુક્ત કરવામાં આવી છે. આ કોર્સ દરમિયાન લગભગ 20 ઈજનેરો/કાર્ય નેતાઓ/ટકનિશિયનોને તાલીમ આપવાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. છ (06) જાપાની નિષ્ણાતો ભારતીય ઈજનેરો, સુપરવાઈઝર અને ટેકનિશિયનોને સઘન તાલીમ આપી રહ્યા છે. સ્થળ મેનેજર્સ, ટ્રેક સ્લેબ મેન્યુફેક્ચરિંગ, આરસી ટ્રેક બેડ કન્સ્ટ્રક્શન, રેફરન્સ પિન સર્વે અને ડેટા એનાલિસિસ માટેની તાલીમ પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે. ઉલ્લેખનીય છેકે, નિયત સમયે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનો પ્રથમ ફેસ ટ્રાયલ માટે શરૂ કરવા માટે મહેનત કરવામાં આવી રહી છે. હવે જ્યારે બુલેટ ટ્રેન માટે અમદાવાદ થી મુંબઈ સુધી તમામ જગ્યાનું સંપાદન થઈ ગયું છે ત્યારે કામ પણ એજ ગતિએ ચાલી રહ્યું છે. સુરત થી બિલિમોરા પ્રથમ ટ્રાયલ આગામી બે થી ત્રણ વર્ષમાં શરૂ થઈ શકે અને આખો પ્રોજેક્ટ સમય પર પૂર્ણ થાય તે માટેના તમામ પ્રયાસો કરવામાં આવી રહ્યા છે.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 16.5.2024
Page No. 3, Size:(6.07)cms X (8.40)cms.

परियोजना के कार्य में आएगी तेजी

सूरत में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के ट्रैक निर्माण का प्रशिक्षण शुरू

सूरत @ पत्रिका. अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सूरत में भारतीय इंजीनियरों और कार्य पर्यवेक्षकों का ट्रैक निर्माण कार्य के लिए दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक निर्माण पर 20 दिनों का प्रशिक्षण सत्र स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन और सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम) इंस्टालेशन पर केंद्रित होगा।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण जेएआरटीएस (जापान का नॉन प्रॉफिट संगठन) द्वारा दिया जा रहा है। इसे जेआईसीए (बुलेट ट्रेन परियोजना की वित्त पोषण एजेंसी) द्वारा नामित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान लगभग 20 इंजीनियरों, कार्य पर्यवेक्षकों, तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। इसमें छह जापानी विशेषज्ञों द्वारा भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण देकर बुलेट ट्रेन के कार्य को तेज किया जा रहा है।

गौरतलब है कि साइट मैनेजर, ट्रैक स्लैब मैन्युफैक्चरिंग, आरसी ट्रैक बेड कंस्ट्रक्शन, रेफरेंस पिन सर्वे और डेटा एनालिसिस का प्रशिक्षण पहले ही पूरा किया जा चुका है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 16.5.2024
Page No. 3, Size:(6.02)cms X (5.75)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के कार्य में आएगी तेजी

सूरत में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के ट्रैक निर्माण का प्रशिक्षण शुरू

सूरत @ पत्रिका. अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सूरत में भारतीय इंजीनियरों और कार्य पर्यवेक्षकों का ट्रैक निर्माण कार्य के लिए दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक निर्माण पर 20 दिनों का प्रशिक्षण सत्र स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन और सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम) इंस्टालेशन पर केंद्रित होगा। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण जेएआरटीएस (जापान का नॉन प्रॉफिट संगठन) द्वारा दिया जा रहा है। इसे जेआईसीए (बुलेट ट्रेन परियोजना की वित्त पोषण एजेंसी) द्वारा नामित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान लगभग 20 इंजीनियरों, कार्य पर्यवेक्षकों, तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। इसमें छह जापानी विशेषज्ञों द्वारा भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण देकर बुलेट ट्रेन के कार्य को तेज किया जा रहा है।